

मसाधारण

EXTRAORDINARY

भागः II---सन्धः 3---अपसन्धः (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राणिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 334]

नई विस्ती, शुक्रवार, ग्रागस्त 29, 1975/भाव 7, 1897

No. 334]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 29, 1975/BHADRA 7, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्क संख्या दी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development) ORDER

New Delhi, the 29th August 1975

- S.O. 458(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Paper (Conservation and Regulation of Use) Order, 1974, namely:—
- 1. (1) This Order may be called the Paper (Conservation and Regulation of Use) Amendment Order, 1975.
 - (2) It shall come into force at once.
- 2. In clause 2 of the Paper (Conservation and Regulation of Use) Order, 1974 (hereinafter referred to as the said Order),—
 - (i) sub-clauses (b), (c), (e) and (g) shall be omitted:
 - (ii) in sub-clause (i), for the words "and speciality paper" the words "speciality paper, art paper, imitation art paper and chromo paper" shall be substituted.
 - 3. In clause 3 of the said Order—
 (a) for sub-clauses (ii) and (iii) the following sub-clauses shall be substituted, namely:—
 - "(ii) a diary, if the total surface of the pages meant for making a daily record of events exceeds 63,000 square centimetres;

- (iii) a calendar on any paper if the surface area of one side of a sheet, or where there are more than one sheet, the aggregate surface area of one side of such sheets, exceeds 8700 square centimetres;";
- (b) sub-clause (iv) shall be omitted.
- 4. Clause 5 of the said Order shall be omitted.

[No. 14(4)/75-PAPER.]

B. N. JAYASIMHA, Jt. Secy.

उच्चोग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)

ज (चुंध)

नई विल्ली, 29 श्रगस्त, 1975

का० मा० 458(ई).— केन्द्रीय सरकार, श्रावश्यक वस्तु श्रधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कागज (संरक्षण तथा प्रयोग का विनियमन) भादेश, 1974 में भौर संशोधम करने के लिए निम्नलिखित भादेश करती है, भर्षात्:—

- (1) इस म्रादेश के नाम कागज (संरक्षण तथा प्रयोग का बिनियमन) संशोधन म्रादेश, 1975 है।
 - (2) यह तुरन्त प्रभावी होगा।
- 2. कागण (संरक्षण तथा प्रयोग का विनियमन) भ्रादेश, 1974 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रादेश कहा गया हैं), के खण्ड 2 में,---
 - (i) उपखण्ड (ख), (ग), (ड॰) और (छ) का लोप किया जाएगा;
 - (ii) उपखण्ड (झ) में, "तथा विशिष्ट कागणा", शब्दों के स्थान पर, "विशिष्ट कागज, म्रार्ट कागज, म्रनुकृति भ्रार्ट कागण और कोमोकागणा" शब्द रखे जाऐंगे।
 - 3. उक्त ग्रादेश के खण्ड 3 में, --
 - (क) उपखण्ड (2) ग्रौर (3) के स्थान पर निम्नसिखित उपखण्ड रखे जाऐंगे, ग्रर्थात:---
 - "(2) होई डायरी, यदि घटनाओं का दैनिक अभिलेख लिखने के लिए अभिप्रेत पृथ्ठों का कुल विस्तार 63,000 वर्ग सेंटीमीटर से अधिक हो ;
 - (3) किसी भी कागज पर कोई केलेंग्डर, यदि एक लाध का या जहां एक से ग्रधिक ताब हों, वहां ऐसे ताबों के एक ग्रीर का कुल विस्तार 8700 वर्ग सेंटीमीटर से ग्रधिक हो;";
 - (ख) उपखण्ड (iv) का लोप किया जाएगा।
 - उक्त ग्रादेश के खण्ड (5) का लोप किया जाएगा।

[सं० 14(4)/75-पेवर]

ब ० एन० जयसिंह, संयुक्त सचिव।